an>

Title: Need to include people belonging to Nishad community of Uttar Pradesh in the list of Scheduled Castes.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): निषाद जाति देश के अंदर सामाजिक और आर्थिक रूप से आज भी अत्यंत कमजोर स्थिति में है। इस जाति के सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण उत्तर प्रदेश में इसे पिछड़ी जाति में शामिल किया गया है तथा देश के दिल्ली आदि कुछ राज्यों में इस जाति को अनुसूचित जाति में शामिल किया गया है। लम्बे समय से निषाद और उसकी उपजाति को अनुसूचति जाति में शामिल करके शासन की ओर से उन्हें विशेष आरक्षण और सुविधा देने की मांग चली आ रही है लेकिन इस पर अपेक्षित कार्यवाही न होने के कारण उत्तर प्रदेश में निषाद जाति के साथ-साथ उसकी सभी उपजातियों में भारी आक्रोश है। व्यापक जनहित में उत्तर प्रदेश के अंदर इस जाति से जुड़े हुए समुदाय की सामाजिक और आर्थिक बदहाल स्थिति को देखते हुए इन्हें दिल्ली की तरह उत्तर प्रदेश में भी अनुसूचित जाति में शामिल किया जाना व्यापक जनहित में होगा।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि निषाद समुदाय की मांगों पर विचार करके इन्हें अनुसूचित जाति में शामिल करके विशेष आरक्षण की सुविधा प्रदान की जाए।